संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार
सत्यमेव जयते

विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार
CCRT Newsletter

खण्ड 4 • अंक 01 • जनवरी 2026
Volume 4 • Issue 01 • January, 2026

पुनरुत्थान काल में कला-चिंतन

कुछ लोग काव्य के आशय को पूर्ण रूप से कल्पित मानते हैं। काव्य यह इस जगत् की वस्तुओं की अनुकृति है इसका वे खंडन करते हैं। लिओनार्दो कहते हैं कि हम काव्य से नैतिकता ग्रहण नहीं करते क्योंकि हम जानते हैं कि काव्य रचना कल्पित होती है। इस बारे में यह भी विचार सामने आता है कि दु:ख या बुरे प्रकरणों से हमें कोई धक्का नहीं लगता। इसका कारण यह है कि काव्य में हम इसी बात की और ध्यान देते हैं कि कवि ने कल्पना में जो चरित्र चित्रण किया है उसे उचित स्थान मिला है या नहीं। इसी बात पर काव्य की सफलता निर्भर करती है। इस बात को लेकर लिओनार्दो कहते है कि हम कलाकारों की आलोचना करते हैं ना कि नितिमत्ता पूर्ण व्यक्ति की। पल्लविसीनो पूछते हैं कि क्या देखे गये प्रेमनाटक को दर्शक सत्य मानता है? काव्य का केवल एक ही उद्देश्य है और वह यह है कि हमारी बुद्धि को वह भव्य एवम् नाविन्यपूर्ण ताजे दृश्यों से अवगत कराएँ। इस प्रकार के सौंदर्य से परिपूर्ण दृश्य हमें सत्य तक नहीं ले जाते। किन्तु ऐसे दृश्य हमारी आत्मा को इतना उत्साहित करते हैं कि हम आनंद विभोर ही जाते है। हम स्वयं को भूल जाते है। इसीलिए काव्य –संग्रह को संभालकर रखा जाता है। कवियों को इसीलिये बुद्धिजीवी लोग की उपाधि 'दिव्यता' से विभूषित करते हैं। काव्य का जन्म नियमों के आधार पर नहीं होता है। इसके विपरित नियमों का जन्म काव्य के आधार पर होता है। बुनो के अनुसार ॲरिस्टॉटल के नियम केवल नकल करने के लिये होते हैं। जो समीक्षक काव्य में दोष ढूँढता है वे स्वयं काव्य की रचना में असमर्थ होते हैं। दूसरों ने जो मेहनत की है उसको नष्ट करने में ये समीक्षक अपना तथा दूसरों का समय बरबाद करते हैं।

डॉ. विनोद नारायण इन्दुरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

जनवरी 2026 की प्रमुख गतिविधियाँ

कार्यशाला (प्रशिक्षण) अनुभाग/ WORKSHOP (TRAINING) SECTION

माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में "कर्मयोगिनी माता अहिल्या" – एक भव्य, प्रेरणादायी एवं ऐतिहासिक महानाट्य का मंचन

16 जनवरी, 2026 उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश

संस्कृति मंत्रालय के स्वायत्त संगठन सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र द्वारा आयोजित महानाट्य "कर्मयोगिनी माता अहिल्या" का उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज में सायं 6:00 बजे भावपूर्ण एवं सफल मंचन संपन्न हुआ।

कार्यक्रम की गरिमा श्री ज्योति नारायण, आईपीएस, अपर पुलिस महानिदेशक, प्रयागराज जोन (मुख्य अतिथि) तथा श्री अजय कुमार मिश्र, आईपीएस, पुलिस महानिरीक्षक, प्रयागराज जोन (विशिष्ट अतिथि) की उपस्थिति से और बढ़ी।

17 जनवरी, 2026 अंगद किला, राम जन्म भूमि मंदिर परिसर, तीर्थ क्षेत्र, अयोध्या, उत्तर प्रदेश

इस गरिमामय अवसर पर श्री चंपत राय, महासचिव, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र सह विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में उपस्थित रहे एवं डॉ. संजीव कुमार सिंह, निदेशक अंतरराष्ट्रीय राम कथा संग्रहालय, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, डॉ. अनिल मिश्र, न्यासी, श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र, श्री राजेंद्र सिंह पंकज, उपाध्यक्ष विश्व हिंदू परिषद, श्री बलरामाचारी दुबे, पुलिस अधीक्षक, सुरक्षा, विशिष्ट अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

20 जनवरी, 2026 शताब्दी कृषि भवन ऑडिटोरियम, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उत्तर प्रदेश

देवाधिदेव काशी विश्वनाथ की आध्यात्मिक ऊर्जा से आलोकित काशी हिंदू विश्वविद्यालय का परिसर उस समय भाव-विभोर हो उठा जब सीसीआरटी द्वारा महानाट्य "कर्मयोगिनी माता अहिल्या" की प्रस्तुति दी तथा काशी की सनातन परंपरा, सेवा-भाव और सुशासन के आदर्शों को रंगमंच के माध्यम से जीवंत करते हुए दर्शकों को आध्यात्मिक अनुभूति से भर दिया।

इस गरिमामय अवसर पर काशी हिंदू विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथियों के रूप में प्रो. यू.पी. सिंह, निदेशक, इंस्टिट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर साइंसेज, काशी हिंदू विश्वविद्यालय तथा जगजीत कौर, निदेशक, गुरुनानक खालसा बालिका इंटर कॉलेज, गुरुबाग (वाराणसी) की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की भव्यता को और भी बढ़ा दिया।

22 जनवरी, 2026 प्रेमचंद रंगशाला नाट्यगृह, बिहार संगीत नाट्य अकादमी, पटना, बिहार

गंगा की पावन धारा से सिंचित पटना की सांस्कृतिक भूमि पर इतिहास सजीव हो उठा। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय के स्वायत्त संगठन सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) द्वारा लोकमाता माता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के अवसर पर प्रस्तुत भव्य एवं प्रेरणादायी महानाट्य "कर्मयोगिनी माता अहिल्या" का प्रेमचंद रंगशाला, बिहार संगीत नाटक अकादमी, पटना में भावपूर्ण एवं गरिमामय मंचन संपन्न हुआ। सुशासन, सेवा, लोककल्याण, सामाजिक समरसता और नारी शक्ति के आदर्शों को मंच से जन-जन तक पहुँचाती यह प्रस्तुति पटना के दर्शकों के लिए केवल एक नाट्य-अनुभव नहीं, बल्कि सांस्कृतिक चेतना से जुड़ने का एक भावनात्मक क्षण बन गई।

इस गरिमामय अवसर पर बिहार के उप-मुख्यमंत्री श्री विजय कुमार सिन्हा की मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को विशेष रूप से बढ़ाया। पटना के कला-प्रेमी नागरिकों की आत्मीय सहभागिता ने इस सांस्कृतिक संध्या को अविस्मरणीय बना दिया।

यह महानाट्य संस्कृति और राष्ट्रगौरव के अद्भुत संगम का साक्षी। इस महानाट्य ने कर्मयोगिनी माता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों को प्रेरक सांस्कृतिक अभिव्यक्ति के रूप में सजीव करते हुए दर्शकों पर गहरी छाप छोड़ी।

यह महानाट्य सीसीआरटी, नई दिल्ली के माननीय अध्यक्ष डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर के मार्गदर्शन में संकल्पित एवं निर्देशित किया गया तथा लेखन डॉ. जूलेशा सिद्धार्थ द्वारा किया गया।

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

एनईपी-2020 के अनुरूप 511वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(07 से 28 जनवरी, 2026; सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में 511वाँ अनुस्थापन पाठ्यक्रम (एनईपी-2020 के अनुरूप) आयोजित किया गया। इस 22 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं पश्चिम बंगाल से आए 26 सेवारत सरकारी विद्यालय शिक्षकों ने सहभागिता की। पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को भारतीय कला, संस्कृति एवं विरासत से जोड़ते हुए समग्र, बहुविषयी तथा अनुभवात्मक शिक्षण-अधिगम को प्रोत्साहित करना रहा।

पाठ्यक्रम के अंतर्गत भारतीय कला एवं संस्कृति के विविध आयामों पर सैद्धांतिक व्याख्यान, कला-शिल्प पर व्यावहारिक प्रशिक्षण, परियोजना कार्य, पाठ योजना निर्माण तथा शैक्षिक भ्रमण आयोजित किए गए। प्रतिभागियों को एनईपी-2020, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर, भारतीय भाषाएँ, संगीत, नृत्य एवं शिल्प परंपराओं से परिचित कराया गया। इन गतिविधियों ने शिक्षकों को कक्षा-कक्ष शिक्षण में कला-आधारित एवं संस्कृति-समेकित दृष्टिकोण अपनाने हेतु सक्षम बनाया।

एनईपी-2020 एवं एन.सी.एफ. पर प्रो. रंजना अरोड़ा, प्रोफेसर, एनसीईआरटी, नई दिल्ली द्वारा विशेष सत्र लिया गया। भारतीय पुरातत्त्व एवं सिंधु-सरस्वती सभ्यता पर डॉ. संजय कुमार मंजुल, प्रख्यात पुरातत्त्वविद् द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। भारतीय कला एवं धरोहर संरक्षण

विषय पर प्रो. सतीश चन्द्र पाण्डेय, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया गया। वहीं अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर विषय पर श्री मधुकर कुमार भगत, संयुक्त सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सत्र लिया गया। इन गतिविधियों ने शिक्षकों को कक्षा-कक्ष शिक्षण में कला-आधारित एवं संस्कृति-समेकित दृष्टिकोण अपनाने हेतु सक्षम बनाया।

पाठ्यक्रम के समापन समारोह में प्रो. रमेश चन्द्र गौड़, डीन एवं विभागाध्यक्ष, कलानिधि प्रभाग, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षकों की भूमिका को सांस्कृतिक संवाहक के रूप में रेखांकित किया तथा सीसीआरटी के प्रशिक्षण प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन प्रतिभागियों की परियोजना प्रस्तुतियों एवं प्रमाण-पत्र वितरण के साथ हुआ।

एनईपी-2020 के अनुरूप 512वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(12 से 23 जनवरी, 2026; सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर)

सीसीआरटी द्वारा दिनांक 12 से 23 जनवरी, 2026 तक क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर में 512वाँ अनुस्थापन पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इस 12 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में झारखंड, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड एवं पश्चिम बंगाल से आए 24 शिक्षक-प्रशिक्षकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय संस्कृति की निरंतरता एवं विविधता के प्रति जागरूकता विकसित करना तथा एनईपी-2020 के अनुरूप सांस्कृतिक घटकों को शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया में प्रभावी रूप से समाहित करना रहा।

प्रशिक्षण के दौरान भारतीय मूर्त एवं अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर, भारतीय भाषाएँ एवं साहित्य, समकालीन चित्रकला, लोक एवं शास्त्रीय कलाएँ, सतत जीवन-शैली तथा कथा-कथन जैसे विषयों पर सैद्धांतिक सत्र आयोजित किए गए। इसके साथ-साथ कुम्हार कला, फड़ चित्रकला एवं प्राकृतिक अपशिष्ट से खिलौना निर्माण जैसी व्यावहारिक शिल्प गतिविधियों ने प्रतिभागियों को कला-आधारित शिक्षण की विधियों से परिचित कराया।

कार्यक्रम के अंतर्गत शैक्षिक भ्रमण आयोजित किए गए, जिनके माध्यम से स्थानीय सांस्कृतिक संसाधनों को 'विस्तारित कक्षा' के रूप में उपयोग करने की समझ विकसित हुई। समापन समारोह में प्रमाण-पत्र वितरण के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ, जिससे प्रतिभागियों को संस्कृति-समेकित शिक्षा के क्रियान्वयन हेतु प्रेरणा मिली।

स्वच्छता पखवाड़ा - 12 से 27 जनवरी, 2026

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में स्वच्छता कार्य योजना के अंतर्गत 12 से 27 जनवरी, 2026 तक स्वच्छता पखवाड़ा आयोजित किया गया। पखवाड़े का शुभारंभ स्वच्छता शपथ एवं श्रमदान गतिविधियों के साथ हुआ, जिसमें अधिकारियों, कर्मचारियों तथा 511वें अनुस्थापन पाठ्यक्रम के प्रतिभागी शिक्षकों ने सक्रिय सहभागिता की।

पखवाड़े के दौरान स्वच्छ भारत मिशन, अपशिष्ट प्रबंधन, वाहक-जनित रोगों की रोकथाम तथा "वेस्ट-टू-आर्ट" जैसे जागरूकता एवं रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों की व्यापक भागीदारी ने स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति सामूहिक चेतना को सुदृढ़ किया।

समापन दिवस पर चित्रकला एवं रेखांकन गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता विषय को रचनात्मक अभिव्यक्ति प्रदान की गई। समग्र रूप से स्वच्छता पखवाड़ा-2026 ने सीसीआरटी परिसर में स्वच्छ, स्वस्थ एवं उत्तरदायी कार्य-संस्कृति को और अधिक मजबूत किया।

पुस्तकालय संबंधी गतिविधियाँ

प्रशिक्षण गतिविधियों के साथ-साथ सीसीआरटी पुस्तकालय द्वारा "सांस्कृतिक संसाधन के रूप में पुस्तकालयों की भूमिका" विषय पर एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। यह सत्र प्रो. रमेश चन्द्र गौड़, डीन, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा प्रस्तुत किया गया। सत्र में पुस्तकालयों को ज्ञान, संस्कृति एवं शैक्षिक नवाचार के सशक्त केंद्र के रूप में स्थापित करने पर विशेष बल दिया गया।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का आयोजन 31 दिसंबर, 2025 से 02 जनवरी, 2026 तक तिरुवनंतपुरम, केरल में किया गया। इस बैठक के दौरान साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित किए गए, जिनके लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 17 विशेषज्ञों को ज्यूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का आयोजन 04 से 06 जनवरी, 2026 तक पटना, बिहार में किया गया। इस बैठक के दौरान साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित किए गए, जिनके लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 15 विशेषज्ञों को ज्यूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का आयोजन 08 से 13 जनवरी, 2026 तक सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में किया गया। इस बैठक के दौरान साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित किए गए, जिनके लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 30 विशेषज्ञों को ज्यूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का आयोजन 10 से 14 जनवरी, 2026 तक अगरतला, त्रिपुरा में किया गया। इस बैठक के दौरान साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित किए गए, जिनके लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 20 विशेषज्ञों को ज्यूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का आयोजन 11 से 12 जनवरी, 2026 तक इम्फाल, मणिपुर में किया गया। इस बैठक के दौरान साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित किए गए, जिनके लिए विभिन्न क्षेत्रों के कुल 10 विशेषज्ञों को ज्यूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

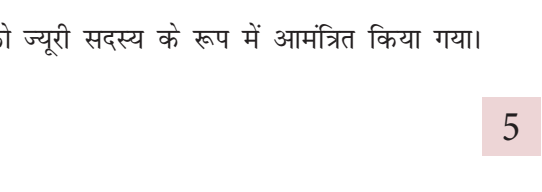

- सीसीआरटी ने वर्ष 2025-26 के लिए सांस्कृतिक प्रतिभा खोज योजना (सीटीएसएस) के तहत छात्रवृत्ति प्रदान करने तथा वर्तमान छात्रवृत्ति धारकों के नवीनीकरण के लिए क्षेत्रीय चयन समिति (आरएससी) की बैठक का आयोजन 30 जनवरी से 01 फरवरी, 2026 तक में किया गया। इस बैठक के दौरान साक्षात्कार/परीक्षण आयोजित किए गए, जिनके लिए विभिन्न विधाओं का प्रतिनिधित्व करने वाले कुल 10 विशेषज्ञों को ज्यूरी सदस्य के रूप में आमंत्रित किया गया।

सीसीआरटी द्वारा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत, सीसीआरटी द्वारा जनवरी 2026 में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन सम्मेलन (प्प्ब्क्म्ड) के दौरान चयनित एवं सुसज्जित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का सफल आयोजन किया गया।

सम्मेलन के उद्घाटन दिवस, 21 जनवरी 2026 को प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों में प्रख्यात कलाकार डॉ. दीपन दास एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत ऊर्जावान बिहू नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके उपरांत, सीसीआरटी की फेलो डॉ. दीप्ति ओमचेरी भल्ला एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत मोहिनीअट्टम की मनोहारी प्रस्तुति ने कार्यक्रम में सौंदर्य एवं गरिमा का अद्भुत समावेश किया। दोनों प्रस्तुतियों को उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं दर्शकों द्वारा अत्यंत सराहना प्राप्त हुई, जिससे सम्मेलन के प्रथम दिवस को सांस्कृतिक रूप से समृद्ध बनाया गया।

सम्मेलन के द्वितीय दिवस, 22 जनवरी 2026 को सीसीआरटी के छात्रवृत्ति अनुभाग द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का संयोजन किया गया। इस अवसर पर संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित सुश्री जयलक्ष्मी ईश्वर एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत भरतनाट्यम नृत्य ने दर्शकों को भाव-विभोर कर दिया। इसके पश्चात, प्रसिद्ध कथक नृत्यांगना सुश्री नयनिका घोष एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत धुनुची नृत्य ने अपनी जीवंतता एवं ऊर्जा से सम्पूर्ण सभागार को उत्साह से भर दिया।

सीसीआरटी द्वारा प्रस्तुत ये सांस्कृतिक कार्यक्रम न केवल भारतीय शास्त्रीय एवं लोक नृत्य परंपराओं की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित करते हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की सांस्कृतिक विविधता एवं कलात्मक उत्कृष्टता को भी प्रभावशाली रूप से उजागर करते हैं।

गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर सीसीआरटी की देशभक्ति सांस्कृतिक प्रस्तुति

गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर सीसीआरटी द्वारा देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भारत मुनि नाट्यगृह, सीसीआरटी, नई दिल्ली में किया गया। इस अवसर पर सीसीआरटी के छात्रवृत्तिधारकों ने देशभक्ति गीतों पर आधारित नृत्य प्रस्तुत कर राष्ट्रप्रेम, एकता एवं भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को प्रभावशाली रूप से अभिव्यक्त किया। उनकी भावपूर्ण प्रस्तुतियों ने दर्शकों में देशभक्ति की भावना को सशक्त किया तथा कार्यक्रम को गरिमा और उत्साह से भर दिया।

प्रकाशन/ PUBLICTION

विश्व पुस्तक मेला 2026 का आयोजन 10 से 18 जनवरी, 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतिष्ठित आयोजन में सीसीआरटी ने अपने प्रकाशित ग्रंथों एवं ऑडियो-विजुअल सामग्री के प्रचार-प्रसार और बिक्री हेतु सक्रिय सहभागिता की।

पुस्तक मेले के दौरान श्री विवेक अग्रवाल, सचिव, संस्कृति मंत्रालय तथा श्रीमती अमिता प्रसाद साराभाई, अपर सचिव, संस्कृति मंत्रालय ने सीसीआरटी के स्टॉल का अवलोकन किया और सीसीआरटी के प्रकाशनों की गुणवत्ता व विषयवस्तु की सराहना की।

मूल्यांकन अनुभाग/ EVALUATION SECTION

राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रमों का समारोह आयोजन

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के अंतर्गत एक शैक्षिक भ्रमण आयोजित किया गया जिसमें सीसीआरटी मुख्यालय के साथ एस.के.वी. प्रहलादपुर, ए2 कडी फाउंडेशन, कला भूमि संस्थान और सरकारी सह शिक्षा वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, महावीर एनक्लेव, नई दिल्ली के 500 छात्रों ने भाग लिया और वे हाल ही में भारत वापस लाए गए पिपरहवा अवशेषों, अवशेष पात्रों और रत्न अवशेषों की प्रदर्शनी में शामिल हुए जो राय पिथौरा सांस्कृतिक परिसर में आयोजित की गई थी।

अल्प अवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

- दिनांक 05 जनवरी से 09 जनवरी, 2026 तक सीसीआरटी, नई दिल्ली द्वारा "पाठ्यक्रम शिक्षण में सांस्कृतिक तत्व का परिचय" विषय पर एक अल्पअवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राजकीय वोकेशनल एवं उच्च माध्यमिक बालिका विद्यालय, मनाकॉड, तिरुवनंतपुरम, केरल में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में तिरुवनंतपुरम, केरला के कुल 102 सेवारत शिक्षकों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम "वंदे मातरम्: राष्ट्र गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में" समर्पित था।

- दिनांक 15 जनवरी से 19 जनवरी, 2026 तक सीसीआरटी, नई दिल्ली द्वारा "पाठ्यक्रम शिक्षण में सांस्कृतिक तत्व का परिचय" विषय पर एक अन्य अल्पअवधि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन राजकीय उच्च विद्यालय, यूनिट-I, भुवनेश्वर, ओडिशा में किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भुवनेश्वर, ओडिशा के कुल 104 सेवारत्त शिक्षकों ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। यह अल्पकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम "वंदे मातरम्: राष्ट्र गीत के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में" समर्पित था।

- 77वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर सीसीआरटी में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सर्वोदय कन्या विद्यालय, मटियाला, नई दिल्ली के 50 छात्रों को आमंत्रित किया गया और उन्होंने राष्ट्रीय गीत यानी 'वंदे मातरम्' प्रस्तुत किया। यह कार्यक्रम "वंदे मातरम्: राष्ट्र गीत के 150 वर्ष के स्मरणोत्सव" को समर्पित था।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली: जनवरी 2026 में सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में 6 विद्यालयों में कुल 2157 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर: जनवरी 2026 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर में 17 विद्यालयों में कुल 2286 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद: जनवरी 2026 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में 3 विद्यालयों में कुल 943 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी: जनवरी 2026 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में 3 विद्यालयों में कुल 1078 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

क्षेत्रीय केन्द्र, दमोह: जनवरी 2026 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी में 2 विद्यालयों में कुल 577 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

जनवरी 2026 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 7041 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

सेवानिवृत्ति

सीसीआरटी, मुख्यालय नई दिल्ली के समर्पित एवं कर्मठ आधिकारी एवं कर्मचारी श्री भगवान वर्मा जी एवं श्री विनय कुमार जी के सेवानिवृत्त होने के उपलक्ष्य में एक गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया। वर्षों की निष्ठापूर्ण सेवा, अनुशासन एवं संस्थान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को स्मरण करते हुए सीसीआरटी परिवार द्वारा उन्हें सस्नेह विदाई दी गई।

इस अवसर पर सीसीआरटी के माननीय अध्यक्ष डॉ विनोद नारायण इंदुरकर एवं निदेशक श्री राजीव कुमार जी की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष गौरव प्रदान किया। समस्त अधिकारी एवं कर्मचारीगण इस स्मरणीय क्षण के साक्षी बने। यह समारोह कृतज्ञता, सम्मान एवं आत्मीयता से परिपूर्ण रहा, जहाँ सभी ने उनके उज्ज्वल, स्वस्थ एवं सुखद भविष्य की हार्दिक शुभकामनाएँ दीं।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली :	सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र :
डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी	**डॉ. राहुल कुमार,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी	**श्री दिबाकर दास,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (मूल्यांकन एवं अध्येतावृत्ति)	**श्री आशुतोष,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)	**डॉ. संदीप शर्मा,** उप निदेशक एवं प्रभारी सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह, मध्य प्रदेश
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति)	
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II एवं सामान्य प्रशासन)	
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)	
श्री अनुभव सिंह, उप निदेशक (प्रशासन)	
श्री राम सरन, उप निदेशक (वित्त)	

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत

दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदुरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार,** निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **अनुज कुमार बाजपेयी**, क्षेत्राधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कुमार**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर